भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2282
उत्तर देने की तारीख-09/12/2024

शिक्षा में वैज्ञानिक प्रवृत्ति और लॉजिकल रीजनिंग संबंधी मॉड्यूल की शुरुआत

†2282. **डॉ. धर्मवीर गांधी:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अंधविश्वास से निपटने के लिए सभी स्तरों पर विद्यालयी पाठ्यक्रम में आलोचनात्मक चिंतन, वैज्ञानिक जांच और तर्कसंगत विमर्श को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;
(ख) क्या प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम में वैज्ञानिक सोच और लॉजिकल रीजनिंग संबंधी कोई नया विषय या मॉड्यूल शुरू किया जा रहा है; और
(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा वैज्ञानिक विचारों और आलोचनात्मक चिंतन कौशल प्रदान करने के लिए की गई/की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के अनुसरण में, स्कूल शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ-एसई), 2023 को केवल विज्ञान और गणित के लिए ही नहीं, अपितु सामाजिक विज्ञान में भी आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। अनुभवात्मक शिक्षा पर बल देने का उद्देश्य अवलोकन और अनुसंधान-आधारित शिक्षा का संवर्धन है, जो वैज्ञानिक पद्धति और आलोचनात्मक सोच पर आधारित है। नए पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत कराना भी है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और वैज्ञानिक विरासत को पुन: समझने में वैज्ञानिक, साक्ष्य-आधारित पद्धति की तर्कसंगतता और अनुप्रयोगता पर आधारित है। विभिन्न शिक्षक

प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आलोचनात्मक सोच और जांच-आधारित अधिगम तकनीकों को विकसित करने पर केंद्रित हैं। इसके अतिरिक्त, मूलभूत चरण से ही युवा शिक्षार्थियों के मन में साक्ष्य-आधारित शिक्षण और "सुनना और विश्वास करना" की अपेक्षा "देखकर विश्वास करना" के प्रति दृढ़ विश्वास पैदा करने के उद्देश्य के साथ विभिन्न शैक्षिक किटों के उपयोग पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) माध्यमिक विद्यालय स्तर हेतु नई विज्ञान पाठ्यपुस्तकों के कार्यान्वयन में सहायता हेतु विज्ञान शिक्षा के शिक्षकों के लिए एक पुस्तिका तैयार कर रही है। इस पुस्तिका का उद्देश्य शिक्षकों को व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान और जांच-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने में सहायता करना है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों (केआरपी) हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ये केआरपी उनके क्षेत्रों में शिक्षकों को प्रशिक्षित करने, पुस्तिका में उल्लिखित नई पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण विधियों से अवगत कराने के लिए उत्तरदायी हैं।

*****